

## केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड इतिहास (027)आदर्श प्रश्न पत्र कक्षा XII (2023-2024)





पूर्णांक: 80

अवधि: 3 घंटे सामान्य निर्देश:

- 1. इस प्रश्न पत्र में पाँच खण्ड हैं- खण्ड क, खण्ड ख, खण्ड ग, खण्ड घ एवं खण्ड ङ। इसमें कुल 34 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- 2. खण्ड 'क' प्रश्न संख्या 1 से 21 तक 1 अंक वाले बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं।
- 3. खण्ड 'ख' प्रश्न संख्या 22 से 27 तक में 3 अंक वाले लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 60-80 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।
- 4. खण्ड 'ग' प्रश्न संख्या 28 से 30 तक में 8 अंक वाले दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 300-350 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।
- 5. खण्ड 'घ' प्रश्न संख्या 31 से 33 तक में 4 अंक वाले स्रोत आधारित प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में तीन उप-भाग हैं।
- 6. खण्ड 'ङ'- प्रश्न संख्या 34 एक मानचित्र आधारित प्रश्न है जो 5 अंकों का है जिसमें महत्वपूर्ण परीक्षण मदों को पहचानना एवं स्थान अंकित करना शामिल है। मानचित्र को प्रश्न पत्र से सावधानी पूर्वक अलग करके उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कीजिए।
- 7. कोई समग्र विकल्प नहीं है, तथापि कुछ प्रश्नों में आतंरिक विकल्प दिए गए हैं। इनमें से किसी एक विकल्प का उत्तर दीजिए।
- 8. इसके अतिरिक्त आवश्यकता अनुसार प्रत्येक खण्ड और प्रश्न के साथ यथोचित निर्देश दिए गए हैं।

	खण्ड-क	21×1=21
प्रश्न सं.	बहुविकल्पीय प्रश्न	अंक
1.	निम्नलिखित में से खिलाफत आंदोलन की मुख्य माँग क्या थी?	1
	(क) भारत के लिए डोमिनियन स्टेटस की माँग	
	(ख) भारत के लिए स्वशासन की माँग	
	(ग) तुर्की के खलीफ़ा की पुनर्स्थापना	
	(घ) इस्लाम के रुढ़िवादी संस्कृति का पुनरुत्थान	
2.	निम्नलिखित में से किस मुद्दे ने 1857 के विद्रोह के प्रसार में मदद नहीं की?	1
	(क) कारतूस के मुद्दे ने	
	(ख) भारतीयों के ईसाई धर्म में परिवर्तन ने	
	(ग) आटे में हड्डी का चूरा मिलाना	

इतिहास कक्षा-बाहरवीं आदर्श प्रश्न पत्र 2023-24

	(घ) हिंदू महिलाओं के अपमान ने	
3.	निम्नलिखित में से कौन सातवाहन वंश का सबसे प्रसिद्द शासक था?	1
	(क) यज्ञश्री सातकर्णी	
	(ख) सिमुक सातकर्णी	
	(ग) गौतमी पुत्र श्री-सातकर्णी	
	(घ) वाशिष्ठ्पुत्र सातकर्णी	
4.	चित्र की पहचान नीचे दिए गए विकल्पों में से कीजिए-	1
	(क) एक सातवाहन शासक की मृणमूर्ति (ख) कलिंग युद्ध करता हुआ अशोक (ग) महाभारत के एक दृश्य को दर्शाती हुई मृणमूर्ति (घ) अर्जुन को ज्ञान देते हुए कृष्ण की एक मूर्ति	
	नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 4 के स्थान पर	
	दी गई है।	
	महाभारत के उपदेशात्मक (सूचनात्मक) खंड 200-400 ई. के मध्य जोड़े गए। ये पाठ	
	मुख्यतः किससे मिलते-जुलते हैं?	
	(क) सूत्त पिटक	
	(ख)मनुस्मृति	
	(ग) ऋग्वेद	
	(घ) उपनिषद	
5.	दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।	1
٠.	अशोक ने अपनी यात्रा की याद में में एक स्तंभ का निर्माण करवाया।	-
	(क) सारनाथ	
	(ख)साँची	
	(ग) बोध गया	
	(ঘ) लुंबिनी	

6.	हड़प्पा सभ्यता के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से सही कथन की पहचान कर सही	1
	विकल्प चुनिए।	
	i. इसका सबसे अनूठा पहलु शहरी केन्द्रों का विकास था। ii. बस्ती दो भागों में विभाजित था- दुर्ग और निचला शहर।	
	ii. बस्ता दा मागा म विमाजित था- दुग और निचला शहर। iii. जल निकासी व्यवस्था साधारण एवं अनियोजित थी।	
	iv. सडकों को 'ग्रिड पद्धति' में नहीं बनाया गया था।	
	विकल्पः	
	(क) केवल । सही है। (क) केवल । सही हैं।	
	(ख) केवल । एवं ॥ सही हैं।	
	(ग) केवल ॥ एवं ॥। सही हैं।	
	(घ) केवल III एवं IV सही हैं।	
7.	नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन- एक संकल्पना (A) और दूसरा कारण (R) दिए गए हैं।	1
	इन कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।	
	संकल्पना (A): अशोक ने प्रजा एवं अधिकारियों तक पहुँचाने के लिए अपना संदेश शिलाओं पर उत्कीर्ण करवाया।	
	पर उत्काण करवाया। कारण (R): वह यह चाहता था कि लोग यह जाने कि उन्हें किस धम्म का पालन करना चाहिए।	
	पर्रार्थ (K). यह यह बाहरता या वर राजा नह जा नायर ए हान्यर वर्ण नरा नारा । नर ता नायर ।	
	विकल्प:	
	(क) संकल्पना (A) एवं कारण (R) दोनों सहीं हैं एवं कारण (R), संकल्पना (A) की सही व्याख्या	
	है।	
	(ख) संकल्पना (A) एवं कारण (R) दोनों सहीं हैं परन्तु कारण (R), संकल्पना (A) की सही	
	व्याख्या नहीं है।	
	(ग) संकल्पना (A) सही है परन्तु कारण (R) गलत है।	
	(घ) संकल्पना (A) गलत है परन्तु कारण (R) सही है।	
8.	दी गई जानकारियों के आधार पर शिल्प केंद्र की पहचान कीजिए।	1
	🕨 दोनों समुद्र तट के समीप स्थित थे।	
	🕨 ये शंख से बनी वस्तुओं के के निर्माण के विशिष्ट केंद्र थे।	
	(क) चान्हुदड़ो एवं मोहनजोदड़ो	
	(ख) नागेश्वर एवं बालाघाट	
	(ग) हड़प्पा एवं लोथल	
	(घ) भरूच एवं धौलावीरा	
9.	'किताब-उल-हिंद' पुस्तक की रचना किसने की?	1
	(क) इब्नबतूता	
	(ख) अलबरूनी	
	(ग) फ्रांस्वा बर्नियर	
	(घ) अब्दुल रज्ज़ाक	

10.	निमलि	जित त	न्थनों में मे	यदी क	थन ताले			1
10.			ग्यना <b>म स</b> नगध की राज	-		•		•
					_	गा से एक था जिसने 6 ई. पु. में शा	पन किया था।	
		_				तथाली महाजनपद बन गया।	(1119791 911	
11.	(घ) मौर्या वंश का संस्थापक अशोक था।  निम्नलिखित कथनों को पढ़िए एवं दिए गए विकल्पों में से उस स्थान की पहचान कीजिए							1
•	जहाँ यह दरगाह मौजूद है।							
	ं. यहाँ शेख मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह है।							
			ार उदा गावा इस स्थान की					
	(क) दि	•	XI X II I 401	1 4 6 41	V 11711 40			
	(ख)म							
	(ग) अ							
	` '	तेहपुर स	<del>तीकरी</del>					
12.	1861	में अमेरि		द्ध के छि	इने के प	श्चात ब्रिटेन के कारखानों के	लिए कपास का	1
	स्रोत व	या था?						
	(ক) अ	मेरिका						
	(ख) अ	फ्रीका						
	(ग) भ							
	(घ) श्री							
13.	निम्नलि		रूचियों का वि	मेलान व	गीजिए।		_	1
		_	्ची १			सूची 2		
	अ	लार्ड व	कॉर्नवालिस		l.	पर्यवेक्षक		
	आ	ऑगस	स्टस क्लीवलै	डि	II.	अर्थशास्त्री		
	इ	फ्रांसि	ास बुकानन		III.	बंगाल का गवर्नर जनरल		
	ई	डेविड	इ रिकार्डी 🧹		IV.	शांति स्थापना की नीति	]	
						1		
		अ	आ	इ	ई			
				IV	Ш			
	(ক)	II	I	I V	1111			
	(ক) (ख)		I	II	IV			
	(ख) (ग)	II I	IV	II I	IV II			
	(ख)	II I		II I I	IV			
14.	(ख) (ग) (ঘ)	 	IV II	II I I	IV II IV	ह का नेतत्व निम्रलिखित में र	से किसने किया	1
14.	(ख) (ग) (ঘ)	 	IV II	II I I	IV II IV	ह का नेतृत्व निम्नलिखित में र	से किसने किया	1
14.	(ख) (ग) (घ) बिहार था?	 	।∨ ॥ जों के विरु	II I I	IV II IV	ह का नेतृत्व निम्नलिखित में र	से किसने किया	1

	क्र केंद्र पिंट	
	(ग) कुँवर सिंह (घ) बिरजिस क़द्र	
15.	मुग़ल शासन में द्वारा भू-राजस्व के इंतज़ाम में निर्धारित रकम कोजबिक	1/2+1/2
15.	वसूली गई रकम कोजबाक कहा जाता था।	72±72 =1
		-1
	(क) इक्ता, जागीर	
	(ख) जमा, हासिल	
	(ग) नगदी, इक्ता	
4.6	(घ) जब्ती, जमा	
16.	निम्नलिखित में से किसने पंद्रहवी शताब्दी में विजयनगर साम्राज्य की यात्रा की थी और	1
	विजयनगर की किलेबंदी से बहुत प्रभावित हुआ था?	
	(क) दौर्ते बार्बोसा	
	(ख)कॉलिन मैंकेंज़े	
	(ग) अब्दुल रज्ज़ाक	
	(घ) डोमिगो पायस	
17.	अबुल फज़ल किस मुग़ल बादशाह का दरबारी इतिहासकार था?	1
	(क) हुमायूँ	
	(ख) अकबर	
	(ग) बाबर	
	(घ) जहाँगीर	
18.	विजयनगर शासकों के द्वारा दशहरे का त्यौहार काफी धूमधाम एवं प्रतिष्ठा से	1
	में मनाया जाता था।	
	(क) हज़ारा राम मंदिर	
	(ख) विरूपाक्ष मंदिर	
	(ग) लोटस (कमल) महल	
	(घ) महानवमी डिब्बा	
19.	संविधान सभा में अल्पसंख्यकों के अधिकारों को परिभाषित करने का कार्य कठिन क्यों	1
	था? निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनिए-	
	(क) अधिकारों को लेकर अलग-अलग समूहों की अलग-अलग माँगें थी।	
	(ख) अंग्रेज़ इसे संवैधानिक ढाँचे में शामिल नहीं करना चाहते थे।	
	(ग) कुछ वर्गों के लिए विशेष अधिकारों के विचार का गाँधी ज़ी ने विरोध किया।	
	(घ) रियासतों के लोगों के अधिकार अस्पष्ट थे।	
20.	नीचे दी गई जानकारी के आधार पर व्यक्ति की पहचान कीजिए-	1
	i. उसका जन्म तैनजियर के एक अति सभ्रांत एवं शिक्षित परिवार में हुआ था।	
	ा. उसका जन्म तनाजयर के एक आतं सम्रात एवं शिक्षित पारवार में हुआ था। ii. उसके अनुसार यात्राओं के द्वारा प्राप्त अनुभव पुस्तकों से प्राप्त ज्ञान की अपेक्षा अधिक	

	iv. उसने 'रेहला' नमक पुस्तक लिखी।	
	(क) इब्नबतूता	
	(ख) फ्रांस्वा बर्नियर	
	(ग) अलबरूनी	
	(घ) डोमिगो पायस	
21.	किस सत्याग्रह के द्वारा महात्मा गाँधी ने फसल खराब होने की स्थिति में किसानों के	1
	लिए कर माफ़ी की माँग की थी?	
	(क)रॉलेट सत्याग्रह	
	(ख)चंपारण सत्याग्रह	
	(ग) खेड़ा सत्याग्रह	
	(घ) नमक सत्याग्रह	
	खण्ड- ख	6x3=18
	(लघु-उत्तरीय प्रश्न)	0.5-10
22.	हड़प्पा के शवाधान स्थलों की किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन कीजिए।	3
22.		3
	अथवा	3
	हड़प्पा बस्तियों में प्रयुक्त 'विशाल स्नानागारों' की किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन	3
	कीजिए।	
23.	भारत के राजनीतिक एवं आर्थिक इतिहास को समझने में अभिलेखीय साक्ष्यों की	3
	सीमाओं की आलोचनात्मक परख कीजिए।	
24.	'चौदहवी शताब्दी के दौरान भारत में संचार की एक अनूठी प्रणाली थी।' इब्नबतूता के	3
	इस कथन की परख कीजिए।	
25.	विजयनगर साम्राज्य में लागू किए गए 'अमर नायक व्यवस्था' की मुख्य विशेषताओं का	3
	विश्लेषण कीजिए।	
26.	'1797 में बर्दवान में की गई नीलामी की घटना, जो एक विशाल सार्वजनिक समारोह	3
	थी, में एक अज़ीब पेंच था।' कथन की व्याख्या कीजिए।	J
27		3
27.	1857 की क्रांति के पूर्व के वर्षों में भारतीय सिपाहियों एवं उनके वरिष्ठ अंग्रेज़	3
	अधिकारियों के संबंधों में महत्वपूर्ण बदलाव आए थे।' उदाहरणों के द्वारा कथन की पुष्टि	
	कीजिए।	
	अथवा	
	'ये गिलास फल (चेरी) एक दिन हमारे हीं मुँह में आकर गिरेगा' यह कथन किसने कहा	3
	था?	
	उन घटनाओं का क्रमवार वर्णन कीजिए जिसके कारण 'चेरी' आखिरकार ब्रिटिश	
	शासकों के मुँह में गिर गया। (2)	
	खण्ड- ग	3x8=24
	(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)	

28.	आरंभिक समाजों के सामाजिक प्रथाओं एवं मानदंडों के अध्ययन में इतिहासकारों के	8
	लिए महाभारत एक अमूल्य स्रोत है।' कथन की पुष्टि कीजिए।	
	अथवा	
	महाभारत भारतीय उपमहाद्वीप में एक महत्वपूर्ण ग्रंथ माना जाता है। महाभारत के संदर्भ	8
	में व्याख्या कीजिए कि ग्रंथों का विश्लेषण करते समय इतिहासकार किन तत्वों पर विचार	
	करते हैं?	
29.	उन साक्ष्यों की परख कीजिए जिनसे पता चलता है कि मुग़ल राजकोषीय व्यवस्था के	8
	लिए भू-राजस्व महत्वपूर्ण था।	
	अथवा	8
	मुग़ल कृषक समाज में जमींदारों की स्थिति की व्याख्या कीजिए।	
30.	'भारत छोड़ो आंदोलन वास्तव में एक जन-आंदोलन था' कथन को न्यायसंगत कीजिए।	8
	अथवा	
	गाँधी ज़ी के राजनीतिक जीवन एवं राष्ट्रीय आंदोलन के इतिहास के पुनर्निर्माण में विभिन्न	8
	प्रकार के स्रोतों की परख कीजिए।	СВ
	खण्ड- घ	3 x 4 =
	(स्रोत आधारित प्रश्न)	12
31.	िपालियन गोन को ध्यानार्वक परिए एवं निम्न गा गर्भों के उन्तर नीनिय	
<b>31.</b>	निम्नलिखित स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:	4
31.	महल के बाहर की दुनिया	4
31.	<b>महल के बाहर की दुनिया</b> जैसे बुद्ध के उपदेशों को उनके शिष्यों ने संकलित किया वैसे ही महावीर के शिष्यों ने किया।	4
<b>31.</b>	महल के बाहर की दुनिया जैसे बुद्ध के उपदेशों को उनके शिष्यों ने संकलित किया वैसे ही महावीर के शिष्यों ने किया। अक्सर ये उपदेश कहानियों के रूप में प्रस्तुत किए जाते थे जो आम लोगों को आकर्षित करते	4
51.	महल के बाहर की दुनिया जैसे बुद्ध के उपदेशों को उनके शिष्यों ने संकलित किया वैसे ही महावीर के शिष्यों ने किया। अक्सर ये उपदेश कहानियों के रूप में प्रस्तुत किए जाते थे जो आम लोगों को आकर्षित करते थे। यह उदाहरण उत्तराध्ययन सूत्र नामक एक ग्रंथ से लिया गया है। इसमें कमलावती नामक	4
31.	महल के बाहर की दुनिया जैसे बुद्ध के उपदेशों को उनके शिष्यों ने संकलित किया वैसे ही महावीर के शिष्यों ने किया। अक्सर ये उपदेश कहानियों के रूप में प्रस्तुत किए जाते थे जो आम लोगों को आकर्षित करते थे। यह उदाहरण उत्तराध्ययन सूत्र नामक एक ग्रंथ से लिया गया है। इसमें कमलावती नामक एक महारानी अपने पति को संन्यास लेने के लिए समझा रही है:	4
31.	महल के बाहर की दुनिया जैसे बुद्ध के उपदेशों को उनके शिष्यों ने संकलित किया वैसे ही महावीर के शिष्यों ने किया। अक्सर ये उपदेश कहानियों के रूप में प्रस्तुत किए जाते थे जो आम लोगों को आकर्षित करते थे। यह उदाहरण उत्तराध्ययन सूत्र नामक एक ग्रंथ से लिया गया है। इसमें कमलावती नामक एक महारानी अपने पति को संन्यास लेने के लिए समझा रही है: अगर संपूर्ण विश्व और वहाँ के सभी खज़ाने तुम्हारे हो जाएँ तब भी तुम्हें संतोष नहीं होगा, न ही	4
31.	महल के बाहर की दुनिया जैसे बुद्ध के उपदेशों को उनके शिष्यों ने संकलित किया वैसे ही महावीर के शिष्यों ने किया। अक्सर ये उपदेश कहानियों के रूप में प्रस्तुत किए जाते थे जो आम लोगों को आकर्षित करते थे। यह उदाहरण उत्तराध्ययन सूत्र नामक एक ग्रंथ से लिया गया है। इसमें कमलावती नामक एक महारानी अपने पित को संन्यास लेने के लिए समझा रही है: अगर संपूर्ण विश्व और वहाँ के सभी खज़ाने तुम्हारे हो जाएँ तब भी तुम्हें संतोष नहीं होगा, न ही यह सारा कुछ तुम्हें बचा पाएगा। हे राजन्! जब तुम्हारी मृत्यु होगी और जब सारा धन पीछे छूट	4
31.	महल के बाहर की दुनिया जैसे बुद्ध के उपदेशों को उनके शिष्यों ने संकलित किया वैसे ही महावीर के शिष्यों ने किया। अक्सर ये उपदेश कहानियों के रूप में प्रस्तुत किए जाते थे जो आम लोगों को आकर्षित करते थे। यह उदाहरण उत्तराध्ययन सूत्र नामक एक ग्रंथ से लिया गया है। इसमें कमलावती नामक एक महारानी अपने पित को संन्यास लेने के लिए समझा रही है: अगर संपूर्ण विश्व और वहाँ के सभी खज़ाने तुम्हारे हो जाएँ तब भी तुम्हें संतोष नहीं होगा, न ही यह सारा कुछ तुम्हें बचा पाएगा। हे राजन्! जब तुम्हारी मृत्यु होगी और जब सारा धन पीछे छूट जाएगा तब सिर्फ धर्म ही, और कुछ भी नहीं, तुम्हारी रक्षा करेगा। जैसे एक चिड़िया पिंजरे से	4
31.	महल के बाहर की दुनिया जैसे बुद्ध के उपदेशों को उनके शिष्यों ने संकलित किया वैसे ही महावीर के शिष्यों ने किया। अक्सर ये उपदेश कहानियों के रूप में प्रस्तुत किए जाते थे जो आम लोगों को आकर्षित करते थे। यह उदाहरण उत्तराध्ययन सूत्र नामक एक ग्रंथ से लिया गया है। इसमें कमलावती नामक एक महारानी अपने पित को संन्यास लेने के लिए समझा रही है: अगर संपूर्ण विश्व और वहाँ के सभी खज़ाने तुम्हारे हो जाएँ तब भी तुम्हें संतोष नहीं होगा, न ही यह सारा कुछ तुम्हें बचा पाएगा। हे राजन्! जब तुम्हारी मृत्यु होगी और जब सारा धन पीछे छूट जाएगा तब सिर्फ धर्म ही, और कुछ भी नहीं, तुम्हारी रक्षा करेगा। जैसे एक चिड़िया पिंजरे से नफरत करती है वैसे ही मैं इस संसार से नफरत करती हूँ। मैं बाल-बच्चे को जन्म न देकर	4
31.	महल के बाहर की दुनिया जैसे बुद्ध के उपदेशों को उनके शिष्यों ने संकलित किया वैसे ही महावीर के शिष्यों ने किया। अक्सर ये उपदेश कहानियों के रूप में प्रस्तुत किए जाते थे जो आम लोगों को आकर्षित करते थे। यह उदाहरण उत्तराध्ययन सूत्र नामक एक ग्रंथ से लिया गया है। इसमें कमलावती नामक एक महारानी अपने पित को संन्यास लेने के लिए समझा रही है: अगर संपूर्ण विश्व और वहाँ के सभी खज़ाने तुम्हारे हो जाएँ तब भी तुम्हें संतोष नहीं होगा, न ही यह सारा कुछ तुम्हें बचा पाएगा। हे राजन्! जब तुम्हारी मृत्यु होगी और जब सारा धन पीछे छूट जाएगा तब सिर्फ धर्म ही, और कुछ भी नहीं, तुम्हारी रक्षा करेगा। जैसे एक चिड़िया पिंजरे से नफरत करती है वैसे ही मैं इस संसार से नफरत करती हूँ। मैं बाल-बच्चे को जन्म न देकर निष्काम भाव से, बिना लाभ की कामना से और बिना द्वेष के एक साध्वी की तरह जीवन	4
31.	महल के बाहर की दुनिया जैसे बुद्ध के उपदेशों को उनके शिष्यों ने संकलित किया वैसे ही महावीर के शिष्यों ने किया। अक्सर ये उपदेश कहानियों के रूप में प्रस्तुत किए जाते थे जो आम लोगों को आकर्षित करते थे। यह उदाहरण उत्तराध्ययन सूत्र नामक एक ग्रंथ से लिया गया है। इसमें कमलावती नामक एक महारानी अपने पित को संन्यास लेने के लिए समझा रही है: अगर संपूर्ण विश्व और वहाँ के सभी खज़ाने तुम्हारे हो जाएँ तब भी तुम्हें संतोष नहीं होगा, न ही यह सारा कुछ तुम्हें बचा पाएगा। हे राजन्! जब तुम्हारी मृत्यु होगी और जब सारा धन पीछे छूट जाएगा तब सिर्फ धर्म ही, और कुछ भी नहीं, तुम्हारी रक्षा करेगा। जैसे एक चिड़िया पिंजरे से नफरत करती है वैसे ही मैं इस संसार से नफरत करती हूँ। मैं बाल-बच्चे को जन्म न देकर निष्काम भाव से, बिना लाभ की कामना से और बिना द्वेष के एक साध्वी की तरह जीवन बिताऊँगी	4
31.	महल के बाहर की दुनिया जैसे बुद्ध के उपदेशों को उनके शिष्यों ने संकलित किया वैसे ही महावीर के शिष्यों ने किया। अक्सर ये उपदेश कहानियों के रूप में प्रस्तुत किए जाते थे जो आम लोगों को आकर्षित करते थे। यह उदाहरण उत्तराध्ययन सूत्र नामक एक ग्रंथ से लिया गया है। इसमें कमलावती नामक एक महारानी अपने पित को संन्यास लेने के लिए समझा रही है: अगर संपूर्ण विश्व और वहाँ के सभी खज़ाने तुम्हारे हो जाएँ तब भी तुम्हें संतोष नहीं होगा, न ही यह सारा कुछ तुम्हें बचा पाएगा। हे राजन्! जब तुम्हारी मृत्यु होगी और जब सारा धन पीछे छूट जाएगा तब सिर्फ धर्म ही, और कुछ भी नहीं, तुम्हारी रक्षा करेगा। जैसे एक चिड़िया पिंजरे से नफरत करती है वैसे ही मैं इस संसार से नफरत करती हूँ। मैं बाल-बच्चे को जन्म न देकर निष्काम भाव से, बिना लाभ की कामना से और बिना द्वेष के एक साध्वी की तरह जीवन बिताऊँगी जिन लोगों ने सुख का उपभोग करके उसे त्याग दिया है, वायु की तरह भ्रमण करते हैं, जहाँ	4
31.	महल के बाहर की दुनिया जैसे बुद्ध के उपदेशों को उनके शिष्यों ने संकलित किया वैसे ही महावीर के शिष्यों ने किया। अक्सर ये उपदेश कहानियों के रूप में प्रस्तुत किए जाते थे जो आम लोगों को आकर्षित करते थे। यह उदाहरण उत्तराध्ययन सूत्र नामक एक ग्रंथ से लिया गया है। इसमें कमलावती नामक एक महारानी अपने पित को संन्यास लेने के लिए समझा रही है: अगर संपूर्ण विश्व और वहाँ के सभी खज़ाने तुम्हारे हो जाएँ तब भी तुम्हें संतोष नहीं होगा, न ही यह सारा कुछ तुम्हें बचा पाएगा। हे राजन्! जब तुम्हारी मृत्यु होगी और जब सारा धन पीछे छूट जाएगा तब सिर्फ धर्म ही, और कुछ भी नहीं, तुम्हारी रक्षा करेगा। जैसे एक चिड़िया पिंजरे से नफरत करती है वैसे ही मैं इस संसार से नफरत करती हूँ। मैं बाल-बच्चे को जन्म न देकर निष्काम भाव से, बिना लाभ की कामना से और बिना द्वेष के एक साध्वी की तरह जीवन बिताऊँगी जिन लोगों ने सुख का उपभोग करके उसे त्याग दिया है, वायु की तरह भ्रमण करते हैं, जहाँ मन करे स्वतंत्र उड़ते हुए पिक्षियों की तरह जाते हैं	4
31.	महल के बाहर की दुनिया जैसे बुद्ध के उपदेशों को उनके शिष्यों ने संकलित किया वैसे ही महावीर के शिष्यों ने किया। अक्सर ये उपदेश कहानियों के रूप में प्रस्तुत किए जाते थे जो आम लोगों को आकर्षित करते थे। यह उदाहरण उत्तराध्ययन सूत्र नामक एक ग्रंथ से लिया गया है। इसमें कमलावती नामक एक महारानी अपने पित को संन्यास लेने के लिए समझा रही है: अगर संपूर्ण विश्व और वहाँ के सभी खज़ाने तुम्हारे हो जाएँ तब भी तुम्हें संतोष नहीं होगा, न ही यह सारा कुछ तुम्हें बचा पाएगा। हे राजन्! जब तुम्हारी मृत्यु होगी और जब सारा धन पीछे छूट जाएगा तब सिर्फ धर्म ही, और कुछ भी नहीं, तुम्हारी रक्षा करेगा। जैसे एक चिड़िया पिंजरे से नफरत करती है वैसे ही मैं इस संसार से नफरत करती हूँ। मैं बाल-बच्चे को जन्म न देकर निष्काम भाव से, बिना लाभ की कामना से और बिना द्वेष के एक साध्वी की तरह जीवन बिताऊँगी जिन लोगों ने सुख का उपभोग करके उसे त्याग दिया है, वायु की तरह भ्रमण करते हैं, जहाँ मन करे स्वतंत्र उड़ते हुए पिक्षयों की तरह जाते हैं इस विशाल राज्य का परित्याग करो इंद्रिय सुखों से नाता तोड़ो, निष्काम अपरिग्रही बनो,	4
31.	महल के बाहर की दुनिया जैसे बुद्ध के उपदेशों को उनके शिष्यों ने संकलित किया वैसे ही महावीर के शिष्यों ने किया। अक्सर ये उपदेश कहानियों के रूप में प्रस्तुत किए जाते थे जो आम लोगों को आकर्षित करते थे। यह उदाहरण उत्तराध्ययन सूत्र नामक एक ग्रंथ से लिया गया है। इसमें कमलावती नामक एक महारानी अपने पित को संन्यास लेने के लिए समझा रही है: अगर संपूर्ण विश्व और वहाँ के सभी खज़ाने तुम्हारे हो जाएँ तब भी तुम्हें संतोष नहीं होगा, न ही यह सारा कुछ तुम्हें बचा पाएगा। हे राजन्! जब तुम्हारी मृत्यु होगी और जब सारा धन पीछे छूट जाएगा तब सिर्फ धर्म ही, और कुछ भी नहीं, तुम्हारी रक्षा करेगा। जैसे एक चिड़िया पिंजरे से नफरत करती है वैसे ही मैं इस संसार से नफरत करती हूँ। मैं बाल-बच्चे को जन्म न देकर निष्काम भाव से, बिना लाभ की कामना से और बिना द्वेष के एक साध्वी की तरह जीवन बिताऊँगी जिन लोगों ने सुख का उपभोग करके उसे त्याग दिया है, वायु की तरह भ्रमण करते हैं, जहाँ मन करे स्वतंत्र उड़ते हुए पिक्षियों की तरह जाते हैं	4
31.	महल के बाहर की दुनिया जैसे बुद्ध के उपदेशों को उनके शिष्यों ने संकलित किया वैसे ही महावीर के शिष्यों ने किया। अक्सर ये उपदेश कहानियों के रूप में प्रस्तुत किए जाते थे जो आम लोगों को आकर्षित करते थे। यह उदाहरण उत्तराध्ययन सूत्र नामक एक ग्रंथ से लिया गया है। इसमें कमलावती नामक एक महारानी अपने पित को संन्यास लेने के लिए समझा रही है: अगर संपूर्ण विश्व और वहाँ के सभी खज़ाने तुम्हारे हो जाएँ तब भी तुम्हें संतोष नहीं होगा, न ही यह सारा कुछ तुम्हें बचा पाएगा। हे राजन्! जब तुम्हारी मृत्यु होगी और जब सारा धन पीछे छूट जाएगा तब सिर्फ धर्म ही, और कुछ भी नहीं, तुम्हारी रक्षा करेगा। जैसे एक चिड़िया पिंजरे से नफरत करती है वैसे ही मैं इस संसार से नफरत करती हूँ। मैं बाल-बच्चे को जन्म न देकर निष्काम भाव से, बिना लाभ की कामना से और बिना द्वेष के एक साध्वी की तरह जीवन बिताऊँगी जिन लोगों ने सुख का उपभोग करके उसे त्याग दिया है, वायु की तरह भ्रमण करते हैं, जहाँ मन करे स्वतंत्र उड़ते हुए पिक्षयों की तरह जाते हैं इस विशाल राज्य का परित्याग करो इंद्रिय सुखों से नाता तोड़ो, निष्काम अपरिग्रही बनो,	4

	धर्म ही, और कुछ भी नहीं, तुम्हारी रक्षा करेगा।' कथन में धम्म का क्या अर्थ है एवं अनुयायी के द्वारा किसकी शिक्षाओं का अनुसरण किया जा रहा था? (2)	
	(31.3) 'स्वतंत्र उड़ते हुए पक्षियों की तरह जाते हैं' कथन किस परिपेक्ष्य में महावीर की शिष्या द्वारा कही गई? (1)	
32.	निम्नलिखित स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:	4
	यह उद्धरण कराइक्काल अम्मइयार की कविता से लिया गया है, जहाँवे स्वयं का वर्णन कर रही	
	हैं:	
	<b>एक राक्षसी?</b>	
	राक्षसी, फूली हुई नाड़ियों वाली	
	बाहर निकली आँखें, सफेद दाँत और भीतर धँसा उदर	
	लाल केश और आगे निकले दाँत, लंबी पिंचली की उन्हीं ने का फैली वर्त है।	
	लंबी पिंडली की नली जो टखनों तक फैली हुई है। वन में विचरते समय चीखना और	
	क्रंदन यह अलंकटु का वन है,	
	जो हमारे पिता (शिव) का घर है।	
	वह नृत्य करते हैं उनके जटाजूट आठों ओर बिखर जाते हैं।	
	उनके अंग शांत हैं।	
	(31.1) कराइक्काल अम्मइयार के द्वारा सौंदर्य को किस प्रकार व्यक्त किया गया है?	
	(1)	
	(31.2)' फूली हुई नाड़ियों वाली, बाहर निकली आँखें, सफेद दाँत और भीतर धँसा	
	उदर लाल केश और आगे निकले दाँत, लंबी पिंडली की नली जो टखनों तक फैली हुई	
	है। 'दिए गए पद्यांश में कवि की स्थिति का कारण बताइए। (2)	
	(31.3) 'उनके जटाजूट आठों ओर बिखर जाते हैं। उनके अंग शांत हैं।' पद्यांश की	
	परख कीजिए। (1)	
33.	निम्नलिखित स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:	4
	<u>"अंग्रेज़ तो चले गए, मगर जाते-जाते शरारत का बीज बो गए"</u>	
	सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कहा था। यह दोहराने का कोई मतलब नहीं है कि हम पृथक	
	निर्वाचिका की माँग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हमारे लिए यही अच्छा है। यह बात हम बहुत	
	निर्वाचिका की माँग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हमारे लिए यही अच्छा है। यह बात हम बहुत समय से सुन रहे हैं। हम सालों से यह सुन रहे हैं और इसी आंदोलन के कारण अब हम एक	
	निर्वाचिका की माँग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हमारे लिए यही अच्छा है। यह बात हम बहुत समय से सुन रहे हैं। हम सालों से यह सुन रहे हैं और इसी आंदोलन के कारण अब हम एक विभाजित राष्ट्र हैं। क्या आप मुझे एक भी स्वतंत्र देश दिखा सकते हैं जहाँ पृथक निर्वाचिका	
	निर्वाचिका की माँग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हमारे लिए यही अच्छा है। यह बात हम बहुत समय से सुन रहे हैं। हम सालों से यह सुन रहे हैं और इसी आंदोलन के कारण अब हम एक विभाजित राष्ट्र हैं। क्या आप मुझे एक भी स्वतंत्र देश दिखा सकते हैं जहाँ पृथक निर्वाचिका हो? अगर आप मुझे दिखा दें तो मैं आपकी बात मान लूँगा। लेकिन अगर इस अभागे देश में	
	निर्वाचिका की माँग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हमारे लिए यही अच्छा है। यह बात हम बहुत समय से सुन रहे हैं। हम सालों से यह सुन रहे हैं और इसी आंदोलन के कारण अब हम एक विभाजित राष्ट्र हैं। क्या आप मुझे एक भी स्वतंत्र देश दिखा सकते हैं जहाँ पृथक निर्वाचिका हो? अगर आप मुझे दिखा दें तो मैं आपकी बात मान लूँगा। लेकिन अगर इस अभागे देश में विभाजन के बाद भी पृथक निर्वाचिका की व्यवस्था बनाए रखी गई तो यहाँ जीने का कोई मतलब	
	निर्वाचिका की माँग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हमारे लिए यही अच्छा है। यह बात हम बहुत समय से सुन रहे हैं। हम सालों से यह सुन रहे हैं और इसी आंदोलन के कारण अब हम एक विभाजित राष्ट्र हैं। क्या आप मुझे एक भी स्वतंत्र देश दिखा सकते हैं जहाँ पृथक निर्वाचिका हो? अगर आप मुझे दिखा दें तो मैं आपकी बात मान लूँगा। लेकिन अगर इस अभागे देश में विभाजन के बाद भी पृथक निर्वाचिका की व्यवस्था बनाए रखी गई तो यहाँ जीने का कोई मतलब नहीं होगा। इसलिए मैं कहता हूँ कि यह सिर्फ मेरे भले की बात नहीं है बल्कि आपका भला भी	
	निर्वाचिका की माँग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हमारे लिए यही अच्छा है। यह बात हम बहुत समय से सुन रहे हैं। हम सालों से यह सुन रहे हैं और इसी आंदोलन के कारण अब हम एक विभाजित राष्ट्र हैं। क्या आप मुझे एक भी स्वतंत्र देश दिखा सकते हैं जहाँ पृथक निर्वाचिका हो? अगर आप मुझे दिखा दें तो मैं आपकी बात मान लूँगा। लेकिन अगर इस अभागे देश में विभाजन के बाद भी पृथक निर्वाचिका की व्यवस्था बनाए रखी गई तो यहाँ जीने का कोई मतलब	

	(सुनिए, सुनिए)। जब अंग्रेजों ने यह विचार पेश किया था तो उन्होंने यह उम्मीद नहीं की थी कि	
	उन्हें इतनी जल्दी भागना पड़ेगा। उन्होंने तो अपने शासन की सुविधा के लिए यह किया था।	
	खैर, कोई बात नहीं। मगर अब वे अपनी विरासत पीछे छोड़ गए हैं। अब हम इससे बाहर	
	निकलेंगे या नहीं?	
	(संविधान सभा बहस, खंड 5)	
	(33.1) 'वे अपनी विरासत पीछे छोड़ गए हैं।'इस कथन में 'वे' किसकी ओर इंगित करता	
	है?	
	(33.3) 'वे अपनी विरासत पीछे छोड़ गए हैं।' इस कथन का क्या तात्पर्य है? (2)	
	(33.3) सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा भाषण में बलपूर्वक दिए गए संदेश की पहचान	
		2 2 5
	खण्ड- ङ	3+2=5
	(मानचित्र आधारित प्रश्न)	
34.1	(34.1) भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों	1+1+1=3
	से अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए-	
	(क) एक हड़प्पा स्थल- कालीबंगा (1)	
	(ख) बाबर, अकबर एवं औरंगज़ेब के अधीन एक क्षेत्र- आगरा (1)	
	(ग) एक बौद्ध स्थल - साँची	
	अथवा	
	(घ) एक बौद्ध स्थल- अजंता	
34.2	(34.2) भारत के इसी राजनीतिक रेखा मानचित्र पर दो स्थानों को А और в से अंकित	1+1=2
	किया गया है जो राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधित स्थल हैं। उन्हें पहचानिए एवं उनके सही	
	नाम उनके निकट खीची गई रेखाओं पर लिखिए।	
	नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न सं. 34 के स्थान पर है:	5x1=5
		JA I – J
	34.1 (a) हडप्पा काल के किन्हीं दो स्थलों का उल्लेख कीजिए।	2
	34.2 (a) अशोक के साम्राज्य के अंतर्गत आने वाले किसी एक क्षेत्र का उल्लेख कीजिए।	1
	अथवा	
	(b) वृहदेश्वर मंदिर कहाँ स्थित है?	_
	(34.3) गाँधी ज़ी के आंदोलन से संबंधित किन्हीं दो केन्द्रों का उल्लेख कीजिए।	1 2

